न्याय पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार : मुख्यमंत्री

- डिजिटल कानून पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ
- डिजिटल दौर में व्यापार व विवाद निपटाने के कानून पर किया जा रहा मंथन
- न्याय के हर पक्ष पर मंथन करने की हमारी हजारों-लाखों वर्ष पुरानी परंपरा

इंदौर.न्याय पाना देश के हर नागरिक का मौलिक, बुनियादी, मानवीय और संवैधानिक अधिकार है. भारत की संघीय शासन व्यवस्था का आधार न्याय, जीवन, भोजन और स्वास्थ्य के अधिकारों की समान रूप से रक्षा करना है. लोक कल्याणकारी राज्य का पहला दायित्व है कि देश का कोई भी नागरिक न्याय पाने से वंचित न रहे. न्याय और सुशासन न केवल राष्ट्र और समाज को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि शासन की जवाबदेही भी सुनिश्चित करते हैं.

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही. मुख्यमंत्री इंदौर में डिजिटल दुनिया में वाणिज्यिक व मध्यस्ता कानूनों की जटिलता व नवाचार विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे. दो दिवसीय इस संगोष्ठी का आयोजन मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय व प्रदेश राज्य अकादमी द्वारा डेनमार्क के पेटेंट और ट्रेडमार्क ऑफिस की मदद से ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है. इस कार्यक्रम का मकसद है कि वकील, जज और कानून के छात्र डिजिटल जमाने में बदलते व्यापारिक कानून और विवाद सुलझाने के तरीकों को बेहतर तरीके से समझ सकें. कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के जज, नामित वकील और विधि छात्र हिस्सा ले रहे हैं. इसमें डिजिटल तकनीक, डेटा आधारित बिजनेस और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के कारण कानून में कौन-कौन सी नई चुनौतियां सामने आ रही हैं. इन बिंदुओं पर चर्चा की जा रही है.

कई निर्णयों ने देश को दिशा दी

संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब समय बदला है. न्याय की देवी की आंखों की पट्टी खोलने का सौभाग्य सुप्रीम कोर्ट से प्राप्त हुआ. आज का नया दौर न्याय का पथ गौरवान्वित करने वाला है. उच्चतम न्यायालय के कई निर्णयों ने देश को नई दिशा दी है. युग बदले, दौर बदले, परंतु न्याय की आत्मा हमेशा वही रहेगी. समानता, पारदर्शिता,विनम्रता और सबको समय पर न्याय दिलाना ही न्यायपालिका की मूल आत्मा रही है और आगे भी रहेगी. उन्होंने अयोध्या फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि जिस विषय को लेकर समाज में अलग-अलग प्रकार की धाराएं बहती थीं. इस ज्वलंत विषय को टालने की परंपरा थी, उसे टालने के बजाए सीना ठोक कर फैसला देकर उसे लागू कराया है.

एआई से नई चुनौतियां आ रहीं सामने

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अहसनुद्दीन अमानुल्लाह ने कहा कि विधिक व्यवसाय तकनीकी प्रगति से अछूता नहीं रह सकता. आज जब तकनीक आधारित और स्वचालित अनुबंधों का दौर है, तब न्यायपालिका की यह जिम्मेदारी है कि न्याय, तकनीकी विकास की रफ्तार के बीच कहीं कमजोर न पड़े और न्याय प्रणाली भी उसी गति से विकसित होती रहे. न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, इसलिए अब समय आ गया है कि हम अपनी सोच में परिवर्तन लाएं और सभी हितधारकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करें. उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अत्यंत उपयोगी है, परंतु इसके साथ ही यह पेटेंट और पंजीकरण जैसे क्षेत्रों में नई चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है. कानूनी सबूतों में एआई का उपयोग खतरनाक साबित हो सकता है.

आधुनिक अर्थव्यवस्था में डेटा पर नियंत्रण अधिक महत्वपूर्ण

न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार महेश्वरी ने कहा कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में डेटा पर नियंत्रण, किसी कंपनी या संस्था के स्वामित्व से भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है. इसलिये पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक प्रगति को बाधित नहीं किया जाना चाहिए. मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार महेश्वरी तथा सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशगण एवं विदेशी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि न्यायपालिका की भूमिका तकनीकी परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को ढालते हुए पारदर्शिता, दक्षता एवं विधि के शासन को सुदृढ़ करने की है. मध्यप्रदेश न्याय एवं तकनीकी नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है और यह राज्य इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप आगे बढ़ रहा है.

बच्चों की पदयात्रा में दादा-दादी, नाना-नानी और माता-पिता भी शामिल होंगे

- तिलकेश्वर जैन मंदिर तिलक नगर से आज निकलेगी

इंदौर. बच्चों को श्रेष्ठ संस्कार से अलंकृत करने, दीपावली के महापर्व पर अपनी खुशियों को आसपास की बस्तियों के जरूरतमंद बच्चों तक बांटने, मोबाईल का कम से कम उपयोग करने, पॉकेट मनी का उपयोग जरूरतमंद बच्चों की मदद करने जैसे अभिनव संकल्पों को लेकर 12 अक्टूबर को सुबह 6 बजे तिलक नगर स्थित श्वेतांबर जैन मंदिर से पीपली बाजार के आदेश्वर जैन मंदिर तक निकाली जाने वाली बच्चों की पदयात्रा में अब 1200 से अधिक माता-पिता, दादा- दादी, नाना-नानी के साथ एक हजार नन्हे-मुन्ने बच्चे भी शामिल होंगे.

यात्रा संयोजक सोनम कोठारी, साधना जैन, विकास जैन एवं शिल्पा जैन ने बताया कि जैन आचार्य नयचंद्र सागर एवं गणिवर्य अजीतचंद्र सागर म.सा.ने शनिवार को तिलकेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पर आयोजित धर्मसभा में उक्त जानकारी देते हुए कहा कि देश का भविष्य बच्चों को ही संभालना है, इसलिए पहली बार इस तरह की पदयात्रा निकाली जा रही है.

आकर्षक झांकियां भी रहेगी शामिल

आयोजन से जुड़े जयंतीलाल, विकास -शिल्पा जैन, श्वेता-जितेंद्र सकलेचा एवं नेहा-निखिल बोकाडिया परिवार तथा बाल संघपति श्रीपाल, वंशिका, राघव, आर्यमन एवं जान्हवी के अनुसार यात्रा में बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए मुंबई का बैंड दल, जैन डीजे, कार्टून कैरेक्टर्स एवं पांच तीर्थस्थलों की आकर्षक झांकियां भी शामिल रहेंगी.

तिलक नगर जैन श्वेतांबर मंदिर से सुबह 6 बजे प्रारंभ होने वाली इस पदयात्रा में शहर में विराजित साधु साध्वी भगवंत, बच्चों के माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी एवं अन्य परिजन भी शामिल होंगे. मार्ग में रविंद्र नगर स्थित नागेश्वर पार्श्वनाथ, जीरावाला पार्श्वनाथ मंदिर अपोलो टावर पलासिया ,नाकोड़ा पार्श्वनाथ रीगल चौराहा, अंतरिक्ष पार्श्वनाथ एमजी रोड एवं शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर राजबाड़ा के दर्शन भी सभी पदयात्री करेंगे.

साहित्यकार के चश्मे से जीवन को देखना उसे सार्थक करता है : डॉ. दवे

- डॉ. वसुधा गाडगिल के कहानी संग्रह रंग से रश्मियों तक का विमोचन

इंदौर. कहानियां हमें जीवन से ही मिलती है और एक साहित्यकार की दृष्टि से उसे देखना सार्थक करना है. नई पीढ़ी से हमें बहुत कुछ सकारात्मक मिलता है, जिसके लिए उदार हृदय और वृहद सोच की आवश्यकता है. साहित्य का संस्कृति से मेल हमारी जीवंतता के लिए आवश्यक है.

ये विचार मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे के है, जो उन्होंने डॉ. वसुधा गाडगिल के कहानी संग्रह रंग से रश्मियों तक के विमोचन के अवसर पर व्यक्त किये. केन्द्रीय हिंदी निदेशालय दिल्ली के सहायक निदेशक डॉ. दीपक पाण्डेय ने इस संग्रह की विविध कहानियों को सकारात्मक समाधान प्रस्तुत करने के चलते विशेष रुप से रेखांकित किया. इस अवसर पर अपने क्षेत्र में प्रतिभापूर्ण प्रदर्शन हेतु हर्षिता दवे और अलभ्य करवड़े को सम्मानित किया गया. वैजयंती दाते ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया. अतिथि परिचय पद्मा राजेन्द्र, अमर चड्ढा, चक्रपाणि मिश्र ने दिया. कार्यक्रम में राकेश शर्मा, घनश्याम यादव, पद्मा सिंह, राजेश शर्मा, पद्मा डोंगरे, ज्योति देशपांडे, अंजना मिश्र, ज्योति जैन, दीपक गिरकर, अर्पण जैन, मुकेश तिवारी ने स्मृतिचिन्ह प्रदान किए. संचालन वाणी जोशी ने किया. आभार प्रदर्शन सुरेश रायकवार ने किया. इस अवसर पर सदाशिव कौतुक, प्रदीप नवीन, दिनेश तिवारी, अखिलेश राव समेत विविध साहित्यकार उपस्थित थे.

अपने विचार व्यक्त किए

सारस्वत अतिथि हिंदी निदेशालय दिल्ली से डॉ. नूतन पाण्डेय ने अपने संबोधन में लेखिका के कवि, लेखिका, सृजनधर्मी और विविध भाषी व्यक्तित्व को लेकर अपने विचार व्यक्त किए. चर्चाकार अंतरा करवड़े ने संग्रह की कहानियों पर नस्लभेद से लेकर स्त्री विमर्श और रुढ़िवादिता से लेकर पर्यावरण तक के विषयों पर लिखी गई इन कहानियों की पड़ताल की. अपने लेखकीय वक्तव्य में लेखिका डॉ. वसुधा गाडगिल ने विविध कहानियों के विचार बीज, उनका अंकुरण और पल्लवन व विकसित होने को लेकर विस्तार से अपनी बात कही.

केंद्रीय कार्यकारिणी समिति की दो दिवसीय बैठक आज से

इंदौर. जनरल इंश्योरेंस पेंशनर्स आल इंडिया फेडरेशन की 16 वीं अखिल भारतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक 12 व 13 अक्टूबर को माहेश्वरी भवन पर शाम 6 बजे से आयोजित की गई है,

यह जानकारी एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी उपाध्यक्ष ए एम कुलकर्णी प्रदेश अध्यक्ष शरद महाजन एवं सचिव सी. एल .मोदी ने प्रेस वार्ता में दी. आपने बताया बैठक में भारत के साधारण बीमा उद्योग के 12000 से अधिक पेंशनर्स सदस्यों की समस्या पर विचार विमर्श किया जायेगा. दो दिवसीय इस बैठक में पेंशनर्स से संबधित कई मुद्दों पेंशन रिविजन, सभी पेंशनर्स को समान मंहगाई राहत, बैहतर चिकित्सा सुविधा, चारों सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों का विलय कर एक निगम बनाना, फैमेली पेंशनर्स के मुद्दे, हमारी ग्रुप मेडीक्लेम इंश्योरेंस प्रीमियम में जीएसटी की छूट, आदि पर चर्चा के साथ ही मंहगाई, वरिष्ठ नागरिकों को अधिक सम्मान और गरिमा, वरिष्ठ नागरिकों को रेल्वे के किराये में रियायत आदि मुद्दों पर भी गहन विचार किया जाएगा.

दिव्यांग बच्चों के बीच महापौर और समाजसेवियों ने मनाई सार्थक दिवाली

इंदौर. दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्यरत संस्था 'अरुणाभ' ने सार्थक दीपावली का आयोजन टेलीफोन नगर कम्युनिटी हॉल में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, मंत्री प्रतिनिधि अशोक गोयल, समाजसेवी हरि अग्रवाल, भाजपा नेता संतोष कुमार सिंह ,सीटू छाबड़ा एवं गुरवीन सिंह छाबड़ा के आतिथ्य में किया. अतिथियों ने संस्था के बच्चों को स्कूल बैग, पटाखे, मिठाईयां एवं अन्य उपहार भेंट किए और बच्चों के साथ आतिशबाजी कर उन्हें दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी.

संस्था 'अरुणाभ 'की ओर से आशीष कट्टी ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया. संस्था के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया. महापौर भार्गव एवं मंत्री प्रतिनिधि अशोक गोयल ने संस्था के सेवा कार्यों की खुले मन से प्रशंसा की. गोयल ने संकल्प व्यक्त किया कि वे लावारिस लाशो के अंतिम संस्कार के अपने अभियान के साथ अब दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी काम करेंगे. उनकी संस्था महाकाल सेवा संस्थान एवं सुल्तान-ए-इंदौर के माध्यम से ये सेवा कार्य किए जाएंगे. उन्होंने दिव्यांग बच्चों को स्वदेशी अपनाने का संकल्प भी दिलाया और बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा तैयार किए दीयों की खरीदारी भी की.

शहर में रिवर के पहले आउटलेट का शुभारंभ

इंदौर. पर्यावरण सजगता को लेकर भारत में तेजी से ईवी का विस्तार होता जा रहा है. पिछले कुछ समय से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में अच्छी खासी वृद्धि हुई है. इसी मांग को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता रिवर ने अब अपना विस्तार इंदौर के अनूप नगर के पास स्थित सिंगापुर बिजनेस पार्क में किया है.

स्टोर के शुभारंभ अवसर पर रिवर के को-फाउंडर और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर अरविंद मणि ने कहा हम अपना विस्तार उच्च-विकासशील बाजारों में केंद्रित कर रहे हैं और मध्य प्रदेश इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. इंदौर में लॉन्च होना रिवर के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि हम हाल ही में दिल्ली स्टोर के साथ उत्तर भारत में प्रवेश करने के बाद अपने राष्ट्रीय रिटेल नेटवर्क को और मजबूत कर रहे हैं. इंदौर की मजबूत आर्थिक वृद्धि और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की बढ़ती मांग इसे रिवर के विस्तार के लिए एक रणनीतिक वृद्धि बनाती है. रिवर इंडी की अगर बता करें तो इसमें 14 इंच के अलॉय व्हील,110 किलोमीटर की रेंज और ईवी सेगमेंट की सबसे बड़ी डिक्की शामिल है. घर में मौजूद 3 सॉकेट पिन से चार्ज होने के साथ-साथ इसे आउटसाइड किसी भी ईवी स्टेशन पर आसानी से चार्ज किया जा सकता है.